For P.G. Sem-1
UNIT-1, CC-1

NATURE OF HISTORY

Q. Discuss the nature of history.

Ans: आधुनिक विषयों में इतिहास सबसे पुराना एवं काफी प्रगतिशील विषय है। इतिहास के जनक हेरोडोटस के समय से ही इतिहास की प्रकृति में काफी बदलाव आया है जिसका गहरा प्रभाव इतिहास के सभी पहलूओं पर पड़ा है। इतिहास का वर्तमान स्वरूप कल के स्वरूप से काफी भिन्न है। प्रत्येक काल में इतिहास के स्वरूप एवं इतिहासलेखन पर उस काल की जरूरतें तथा सामाजिक स्थिति एवं नियमों का व्यापक प्रभाव पड़ता है।

इतिहास ज्ञान की वह शाखा है जो मानव जीवन के सभी पहलूओं यथा सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं बौद्धिक से जुड़ा रहता है। अतीत के तस्वीर को प्रस्तुत करना ही इसका प्रयास नहीं है। इतिहासकारों के इस अथक परिश्रम के पीछे एक स्पष्ट उद्देश्य निहित रहता है। हम जानते हैं कि इतिहास का प्रमुख उद्देश्य मानव सभ्यता को सीख देने में सन्निहित है। सर वाल्टर रेले के शब्दों में – इतिहास का उद्देश्य अतीत के उदाहरणों से ऐसी शिक्षा प्रदान करना है जो हमारी इच्छाओं एवं कार्यों का मार्गदर्शन कर सके।' वस्तुतः इतिहास वास्तव में इतिहासकार का अतीत के संबंध में निर्णय होता है, जिसका उद्देश्य वर्तमान को प्रशिक्षित करना तथा भावी पीढ़ी के कल्याण के लिए मार्गदर्शन कराना होता है।

एक निश्चित उद्देश्य होने के कारण इतिहास कभी भी अर्थहीन नहीं हो सकता। वैसे लोग जो इतिहास को उद्देश्यविहीन मानते हैं का कहना है कि इतिहास अर्थहीन भी होता है। प्रो० कार्ल आर० पॉपर का कहना है- इतिहासकार, तथ्यों के चयन एवं उसके विश्लेषण के माध्यम से मनोनुकूल ढंग से अतीत का पुनर्निर्माण करता है। इस प्रकार चूंकि इतिहास में इतिहासकार की पसंद झलकती है अतैव इसका कोई स्वतंत्र अर्थ नहीं होता।

किंतु इतिहासकारों द्वारा चयनित तथ्यों एवं उसके विश्लेषण के बीच का संबंध इतिहास को अर्थहीन नहीं बनाता है, बल्कि इसके विपरीत

Scanned with CamScanner

इसे अर्थपूर्ण बनाने में मुख्य भूमिका अदा करता है। प्रो०ई० एच०कार के अनुसार - इतिहास, इतिहासकार एवं तथ्यों के बीच अंतर्क्रिया की अविच्छिन्न प्रक्रिया तथा वर्तमान एवं अतीत के बीच अनवरत् परिसंवाद है।" तथ्यों की जड़ें अतीत में रहती है तथा उसका विश्लेषण वर्तमान से जुड़ा रहता है फलत: जब कोई इतिहासकार इन दोनों के बीच संबंध जोड़ता है तो वर्तमान के सापेक्ष्य तथ्यों का वर्णन करता है जो इतिहास का मुख्य उद्देश्य भी है। आज सभी चिंतक इस बात से पूर्णत: सहमत है कि इतिहास एकमात्र अतीत का अध्ययन नहीं होता बल्कि अतीत का अध्ययन उसका एक अंगमात्र है। यह केवल अर्थपूर्ण एवं वर्तमान सापेक्ष्य अतीत का अध्ययन करता है। क्रोचे का यह कथन कि "सम्पूर्ण इतिहास समसामयिक इतिहास होता है" भी अतीत एवं वर्तमान दोनों को एक दूसरे के प्रति महत्व को स्वीकार करता है। इतिहास न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य के सन्दर्भ में भी उतना ही प्रासंगिक है एवं हमारा उसीप्रकार मार्गदर्शन करता है जिस प्रकार वर्तमान का। इसका सीख महज वर्तमान तक ही सीमित नहीं है। वास्तव में अतीत एवं भविष्य के बीच, वर्तमान एक पतली एवं कमजोर रेखा समान होता है। अतीत एवं वर्तमान का संबंध वास्तव में अतीत एवं भविष्य को एक दूसरे को समझने में मदद को परिलक्षित करता है। कार महोदय ने इसे इतिहास का एक आवश्यक गुण स्वीकार करते हुये कहे है कि- इतिहास की प्रकृति, अतीत एवं वर्तमान के बीच समन्वय में सन्निहित है। जे० बी० ब्यूरी०, एम. जे. आकशॉट (M.J. Oakeshott) जी. आर. एल्टन, लेविस. बी. नेमियर आदि जैसे इतिहासकार भी इस बात से सहमत है।

वर्तमान एवं भविष्य के लिए प्रासंगिक होना, इतिहास के प्रगतिशील गुण को दर्शाता है। ई. एच. कार का ख्याल है कि इतिहास घटनाओं तथा घटनाओं के दस्तावेजों में विकास को दर्शाता है। वे कहते है कि अतीत की इतिहासकार की व्याख्या तथा उसके द्वारा महत्वपूर्ण तथ्य

समय बीतने के साथ

प्रासंगिक तथ्यों का चयन, नये लक्ष्यों के आगमन के पश्चात् परिवर्तित हो जाता है। मध्यकालीन यूरोप में जीवन के सभी क्षेत्रों में धर्म का व्यापक प्रभाव रहने के कारण उस समय के इतिहास में इसका प्रभाव स्पष्टतः देखा जा सकता है। किंतु आधुनिक यूरोपीय इतिहास में धर्मनिरपेक्ष गुणों को प्रोत्साहन देना, इतिहास के प्रगतिशील स्वरूप को दर्शाता है। सभी कालों में सामाजिक प्रतिमानों, नियमों का स्पष्ट प्रभाव इतिहासकारों द्वारा वर्णित तथ्यों पर पड़ता है तथा इतिहासकारों को नये तथ्य खोजने के लिए बाध्य भी करता है। इस प्रकार अतीतकालीन घटनाओं का पुनर्निर्माण हमेशा बदलता रहता है जो इतिहास के प्रगतिशील महत्व को दर्शाता है। आर.जी कॉलिंगवुड इस विचार को चुनौती देते हैं कि इतिहास में सभी तरह का परिवर्तन प्रगति को दर्शाता है किंतु मार्क्स ने भी इतिहास को प्रगति माना है। उन्होंने भी इतिहास में 5 चरणों की बात की है वह प्रगति का सूचक है क्योंकि प्रत्येक चरण अपने पूर्ववर्ती चरणों से लक्ष्य की प्राप्ति की ओर एक अगला कदम है। मार्क्स द्वारा इन चरणों में जो 'गुणात्मक परिवर्तन' की जो बात कही गई है यह बदलाव प्रगति प्रदर्शित करता है। मार्क्सवादी चिंतन से उपजी यह परम्परा आज इतिहास को निरंतरता एवं परिवर्तन की एक प्रक्रिया मानते हैं। एडवर्ड गिबन (Edward Gibbon) तथा लॉर्ड ऐक्टन जैसे इतिहासकार भी इस बात से सहमत हैं। इस प्रकार चाहे हम इतिहास को अतीत एवं वर्तमान के बीच अनवरत संवाद कहें अथवा निरंतरता एवं परिवर्तन की एक प्रक्रिया या समसामयिक इतिहास, इसका वर्तमान एवं भविष्य के प्रति उत्तरदायित्व ही इसके प्रगतिशील स्वरूप को दर्शाता है।

इतिहास के इस प्रगतिशील स्वरूप का क्षेत्र व्यापक है। यह मानवसमाज से जुड़े सारे प्रश्नों का हल ढूंढता है। हेरोडोटस से टॉयन्बी से लेकर कार तक इतिहास का फलक उस काल की जरूरतों एवं स्थितियों के अनुसार

Scanned with CamScanner

रहा है। काफी समय से इतिहास का मुख्य वर्ण्य विषय राजनीति एवं धर्म रहा था एवं इसमें जीवन के अन्य पहलूओं की प्रधानता नहीं दी जाती थी किंतु आज इसका महत्व गौण है। जैसे-2 सामाजिक नियमों, जरूरतों तथा स्थितियों में बदलाव आता गया वैसे-2 मानव जिज्ञासा का स्वरूप भी बदलता गया। जीवन पर अब धर्म एवं राजनीति प्रभावी नहीं रहा फलतः धर्म एवं राजनीति इतिहास का मुख्य वर्ण्य विषय भी न रहा। इस सदी के इतिहासकारों का प्रमुख वर्ण्य विषय अब विभिन्न सामाजिक, आर्थिक बदलाव एवं इससे जुड़े पहलूओं का अध्ययन करना हो गया है। इसी क्रम में 19वीं तथा 20वीं सदी में इतिहास की कई स्वतंत्र धारायें विकसित हुई यथा आर्थिक, सामाजिक, नैतिक, कूटनीतिज्ञ एवं बौद्धिक आदि। इस प्रकार इस सदी के आरम्भिक दशकों में अन्तर्राष्ट्रीयवाद की भावना जोर पकड़ने के कारण इतिहास का स्वरूप अब सार्वभौम हो गया है।

अतः यह स्पष्ट है कि इतिहास की प्रकृति स्थिर न होकर गतिमान है यह सभी पहलूओं में समकालीन समाज द्वारा प्रभावित होता है। आधुनिक वैज्ञानिक इतिहासलेखन के पहले के इतिहास को कुछ इतिहासकारों ने मात्र कहानी बतलाया है। हेनरी पिरेन (Henery Pirenne) ने कहा है- इतिहास समाज में रहनेवाले मनुष्यों के कार्यों एवं उपलब्धियों की कहानी है।" कारलायले (Carlyle) का कहना है- इतिहास मृत लोगों की आत्मकथा है, एवं उन्होंने इसका स्तर गिराते हुये कहा है कि यह केवल मनुष्यों की कहानी मात्र है, किंतु वर्तमान समय में इतिहास की प्रकृति, अर्थ एवं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुये इसे मात्र कथा, कहानी स्वीकार नहीं किया जा सकता।

इसके विपरीत, वैसे चिंतक भी हैं जिन्होंने इतिहास को विचार, दर्शन एवं ज्ञान रूपी झरना माना हो चूंकि सभी इतिहासकारों के विचारों में समरूपता नहीं है तथा विचार ही दर्शन को स्वरूप प्रदान करता है अतः इतिहास का यह दार्शनिक दृष्टिकोण भी इतिहासकारों के साथ बदलता रहता हो वाल्तेयर एवं विको से टॉयन्बी एवं कॉलिंगवुड तक का

Scanned with CamScanner

इतिहास दर्शन अलग-2 प्रकार का है। कॉलिंगवुड ने जहाँ सम्पूर्ण इतिहास को विचारधारा का इतिहास माना है वहीं कॉलिंगवुड के इस वाक्यांश की सर्वाधिक आलोचना प्रो० वालश ने की है जिनका मानना है कि इतिहास विचारप्रधान नहीं होता। हीगेल ने विचारों के क्षेत्र में द्वन्द्ववाद को प्रमुखता दी है वहीं मार्क्स ने विचारों की प्रधानता को अस्वीकार करते हुये भौतिकवादी समाज को वरीयता प्रदान की है। इस प्रकार इतिहास के प्रति चिंतकों के विचारों में जो भी भिन्नता हो लेकिन आधुनिक चिंतक यह मानते हैं कि इतिहास की एक अनिवार्य प्रकृति, दर्शन है।

क्षितिज की व्यापकता के कारण इतिहास के अन्तर्गत मानव जीवन से जुड़े विविध पहलुओं का अध्ययन शामिल हो गया है। आरम्भिक कालों में इतिहास का स्वरूप जो भी रहा हो किंतु 19वीं सदी के प्रारम्भ से इतिहास का संबंध विविध मानवीय अनुभवों से जुड़ गया है। इतिहास का यह गुण इसे सामाजिक विज्ञान के समीप ले आया है। 19वीं सदी से ज्ञान की कई शाखाएँ खुली जैसे - समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, मानवशास्त्र, साइकि अर्थशास्त्र आदि। जहाँ एक ओर इतिहास का क्षेत्र बढ़ने से यह प्रक्रिया में और तेजी आई वहीं दूसरी ओर इसने इतिहास के क्षेत्र को बढ़ाने में भी गति प्रदान की। अब इसकी सहायता से मानव जीवन से जुड़ी समस्याओं का ज्यादा तर्कसंगत एवं व्यावहारिक समाधान ढूँढा जाने लगा। चूंकि अन्य विषयों की तरह इतिहास भी अपने को मानव जीवन एवं उनकी समस्याओं से जुड़ा पाती है अतः यह अनिवार्यतः सामाजिक विज्ञान के समूहों का एक प्रमुख अंग है। जैसा कि कॉलिंगवुड ने कहा है, इसमें कोई संदेह नहीं कि एक स्वायत्त विषय के रूप में इतिहास की एक अलग कार्यपद्धति एवं निश्चित सिद्धांत है किंतु इसके बावजूद इसका संबंध अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ है। वस्तुतः कुछ चिंतकों ने इतिहास को ही सामाजिक विज्ञान के मूलकेन्द्र में रखा है तथा बतलाया है कि अन्य विषयों ने अपना विषयवस्तु इसी से

Scanned with CamScanner